



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 28, 1976 (फाल्गुन 9, 1897)  
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 28, 1976 (PHALGUNA 9, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### भाग III—खण्ड 4 PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

केन्द्रीय कार्यालय

बैंक परिचालन और विकास विभाग

बम्बई-1, दिनांक 7 फरवरी 1976

सं० डी० बी० ओ० डी० सं० ए० पी० पी० 145/एस० बी०-7-76—स्टेट बैंक आफ इंडिया अधिनियम 1955 (1955 का अधिनियम 23) की धारा 19 की उपधारा (1) के खंड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने स्टेट बैंक आफ इंडिया के निदेशक के रूप में श्री एस० एस० शिरालकर के स्थान पर श्री पी० आर० नांगिया, उप गवर्नर, रिजर्व बैंक आफ इंडिया को 7 फरवरी 1976 से नामित किया है।

ह० अपठनीय

उप गवर्नर

भारतीय स्टेट बैंक

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1976

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि भारतीय रिजर्व बैंक को छोड़कर, भारतीय स्टेट बैंक के उन गैरधारियों की बैठक

जिनके नाम स्थानीय प्रधान कार्यालय बम्बई के शाखा रजिस्टर में हैं, की एक स्थानीय सभा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 21(1) (घ) के अंतर्गत डा० दासु रामास्वामी, जो कि स्थानीय बोर्ड के सदस्य हैं और जिनका कार्यकाल दिनांक 10 अप्रैल 1976 को समाप्त हो रहा है, के स्थान पर एक सदस्य का चुनाव करने के लिए बैंक के बैंकवे रेकमेलेशन, नरीमन पॉइंट, मादाम कामा रोड, बम्बई-400021, स्थित नवीन प्रशासकीय भवन के सभागृह में बुधवार दिनांक 7 अप्रैल 1976 को अपराह्न 4 बजे होगी।

राजकुमार तलवार, अध्यक्ष

भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जनवरी 1976

सं० 8 एस० सी० ए० (1)/6/75-76—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10(1) खंड (तीन) के अनुसाराण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किये प्रैक्टिस प्रमाणपत्र उनके नाम के आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिये गये हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-

पत्रों को रखने के इच्छुक नहीं :—

क्र० सं०	सं० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	909	श्री सी० बी० रामनृजिचारी, ए०सी०सी० 10, पदमानावन स्ट्रीट, कोमबाकोनम	15-12-75
2.	18239	श्री पी० रावीन्द्र भट्ट, ए०सी०ए०, उसट्टोन कासटिंग लिमिटेड, बी-15, इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट एरिया, उप्पल, हैदराबाद-500039	6-9-75

दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० 4 सी०ए०(1)/15/75-76—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतत् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम सदस्यों की अपनी प्रार्थना पर प्रत्येक के आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है :—

क्र० सं०	सं० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	8273	श्री बी० ए० बोमन, बोमन हाऊस, 47, हिल रोड, बन्दरा, बम्बई-50	27-1-76

पी० एस० गोपालाङ्गणन, सचिव

दि इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स  
एक्काउन्टेन्ट्स आफ इन्डिया  
कलकत्ता, दिनांक 19 जनवरी 1976  
(कास्ट एक्काउन्टेन्ट्स)

सं० 11-सी० डब्ल्यू० आर० (46-47)/76—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है निम्नलिखित सदस्यों के अभ्यास करने का प्रमाण-पत्र, उनकी निजी प्रार्थना पर 19 जनवरी, 1976 से 30 जून 1976 तक के लिए रद्द किया जाता है :—

एम/209

श्री विश्वनाथ दास गुप्ता, एम० ए०, एफ० आई० सी० डब्ल्यू० ए०।  
27-पी, बैसनव घाट बाई लैन,

कलकत्ता-700047

एम/3017

श्री जसवन्त लाल चावला,

बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०,

17 जी० एफ०, डी० सी० एम० बंगलाज,

नियू रोहतक रोड,

नई दिल्ली।

(फारमेरली आफ अमृतसर)

दिनांक 24 जनवरी 1976

सं० 16-सी० डब्ल्यू० आर० (156)/76—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि दी इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्ट्स आफ इन्डिया के परिषद् ने कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा (20) की उप-धारा (1) द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री आर० वेदगीरी, एम० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, एक्काउन्टेन्ट इन्डियन आयल कारपोरेशन, लि० मार्केटिंग डिविजन, 150-ए० माउन्ट रोड, मद्रास-2 (सदस्यता संख्या 1485) के नाम को उनकी मृत्यु के कारण दिनांक 17 दिसम्बर 1975 से सदस्य पंक्ति से हटा दिया।

दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० 11-सी० डब्ल्यू० आर० (48)/76—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि श्री बी० के० ए०, राम प्रसाद राजू, बी० ए०, एफ० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, नं० एफ-2/8 हरी निकेतन, बंगुर नगर, गोरेगान बैस्ट, बम्बई-400062 (सदस्यता संख्या 2013) के अभ्यास करने का प्रमाण-पत्र उनके निजी प्रार्थना पर 5 जनवरी 1976 से लेकर 30 जून 1976 तक के लिए रद्द कर दिया।

एस० एन० घोष, सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० 1(1) 3/72-स्थापना-1—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 97 की उपधारा (1) जोकि उपधारा (2) तथा 2(क) के खण्ड (XXI) और धारा 17 की उपधारा (2) के साथ पठित है, के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम, केन्द्रीय सरकार की अनुमति से निम्न विनियम, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (भर्ती) विनियम 1965 के संशोधन में बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम कर्मचारी राज्य बीमा निगम (भर्ती) संशोधन विनियम 1976 कहे जायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. कर्मचारी राज्य बीमा निगम (भर्ती) विनियम, 1965 की अनुसूची 1 में क्रम सं० 4 के समक्ष :—

(क) खाना 4 में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—  
“1200-50-1600 रुपये”

(ख) खाना 10 में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“पदोन्नति द्वारा, यदि ऐसा न हुआ तो प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा”

(ग) खाना में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी अर्थात् :—  
पदोन्नति

- (i) उप प्रशासन अधिकारी,
- (ii) क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड 4-रूप क्षेत्रीय निदेशक/सहायक बीमा आयुक्त,
- (iii) लेखा अधिकारी,
- (iv) सहायक बीमाधिक

नियमित आधाय पर नियुक्ति के पश्चात् उसी पद में 5 वर्ष की सेवा के साथ ।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :

उपयुक्त अधिकारी जोकि केन्द्रीय प्रथम श्रेणी सेवायें/राज्य सेवायें 700-1300 रुपये के समयमान में या इसके समकक्ष पद में 5 साल की सेवा के साथ

(साधारणतया प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)

टिप्पणी :—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी में लिखित विवरण को ही शुद्ध माना जाये ।  
टी० एन० लक्ष्मीनारायणन, महानिदेशक

गुजरात प्रादेशिक कार्यालय

अहमदाबाद-9, दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० जी/ए०डी०एम०/238(कोन्स्टी)/76—अधिसूचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) नियमन, 1950, 10-अ के अन्तर्गत इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक जी/सी० बी० 1/238/70 दिनांक 23-12-1971 से सूचित की गई स्थानीय समिति धांगध्रा का निर्वाचित सदस्यों की नियुक्ति के साथ दिनांक 29-1-1976 से पुनर्गठन किया जाता है ।

RESERVE BANK OF INDIA

(Central Office)

Department of Banking Operations and Development

Bombay-1, the 7th February 1976

DBOD. No. App. 145/S.B. 7-76.—The Reserve Bank of India has, in exercise of the powers conferred by clause (f) of sub-section (1) of section 19 of the State Bank of India Act, 1955 (Act 23 of 1955), nominated Shri P. R. Nangia, Deputy Governor, Reserve Bank of India, as a Director of the State Bank of India with effect from the 7th February 1976 vice Shri S. S. Shiralkar.

Sd. ILLEGIBLE  
Deputy Governor

STATE BANK OF INDIA

(Central Office)

Bombay, the 11th February 1976

NOTICE IS HEREBY GIVEN that a Local Meeting of the Shareholders of the State Bank of India on the Branch Register of shareholders kept at the Bombay Local Head Office

अध्यक्ष ।

1. उप जिलाधीश, धांगध्रा ।  
गुजरात सरकार द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि
2. शासकीय श्रम अधिकारी,  
सुरेन्द्र नगर ।  
निदेशक, कामगर राज्य बीमा योजना चिकित्सा सेवाएं,  
अहमदाबाद द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि ।
3. बीमा चिकित्सा अधिकारी,  
कामगर राज्य बीमा योजना,  
धांगध्रा ।  
नियुक्ता के प्रतिनिधि ।
4. श्री मुकुन्दराय दी भट्ट  
वैलफेर ओफिसर,  
धांगध्रा केमिकल वर्क्स लि० ।  
धांगध्रा : 363315
5. श्री कृष्णा मोरारीलाल गजानन्द,  
द्वारा मेसर्स मोराराम शीवरामदास  
“भारत दीप” ओल्ड जीन प्लोट, धांगध्रा ।  
श्रमिक प्रतिनिधि ।
6. श्री गोविन्दभाई गणेशभाई  
कुडा अगार कामदार सहासण्डल,  
द्वारा कामदार संघ, धांगध्रा ।
7. श्री भगवतसिंग एन परमार  
(केमिकल कामदार मण्डल)  
राज सहल लाईन, धांगध्रा ।  
संजी ।
8. व्यवस्थापक स्थानीय कार्यालय,  
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,  
धांगध्रा ।

आज्ञा से

एस० सहाय,

प्रादेशिक निदेशक एवं मंत्री

of the Bank other than the Reserve Bank of India will be held at the Bank's Auditorium, New Administrative Building, Madame Cama Road, Nariman Point, Bombay, on Wednesday, the 7th April 1976 at 4.00 p.m. for the purpose of electing one person to be a member of the Local Board at Bombay in pursuance of Section 21(1)(d) of the State Bank of India Act, 1955, in place of Dr. Dasu Ramaswami, a Member of the Local Board, whose term of office will expire on the 10th April 1976.

R. K. TALWAR, Chairman

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110001, the 2nd February 1976

No. 4-CA(1)/15/75-76.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute at his request the name of Shri B. A. Boman, Boman House, 47 Hill Road, Bandra, Bombay-50 (M. No. 8273) with effect from 27-1-1976.

Madras-600034, the 10th February 1976

No. 8 SCA(1)/675-76.—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled from the dates mentioned against their names, as they do not desire to hold their certificate of practice.

S. No.	Membership Number	Name and Address	Date of Cancellation.
1.	909	Shri C.V. Ramanujachary ACA, 10 Padmanabhan Street, Kumbakonam	15-12-75
2.	18239	Shri P. Ravinder Bhatt ACA, Ductron Castings Limited, B-15, Industrial Development Area, Uppal, Hyderabad-500 039.	6-9-75

P. S. GOPALAKRISHNAN  
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS  
ACCOUNTANTS OF INDIA  
(COST ACCOUNTANTS)

Calcutta, the 19th January 1976

No. 11-CWR(46-47)/76.—In pursuance of sub-regulation (3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to the following Members shall, at their own request, stand cancelled from 19th January 1976 to 30th June 1976.

M/209

Shri Jaswantlal Chawh, B.Coc., AICUA,  
Shri Biswanath Das Gupta, MA, FICWA,  
27-P, Baishnabghata Bye-Lane,  
Calcutta 700 047.

M/3017

Shri Jaswant Lal Chawla, B Com, AICWA  
17GE, DCM Bungalows,  
New Rohtak Road,  
New Delhi.  
(formerly of Amritsar)

The 24th January 1976

16-CWR(156)/75.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, on account of death, the name of Shri R. Vedagiri, MA, AICWA, Accountant, Indian Oil Corporation Ltd., Marketing Division, 150-A, Mount Road, Madras-2, (Membership No. 1485), with effect from 17th December 1975.

The 29th January 1976

11-CWR(48)/76.—In pursuance of sub-regulation (3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri V. K. A. Ramaprasad Raju, BA, FICWA, No. F-2/8, Hari Niketan, Rangu Nagar, Goregaon West Bombay-400 062 (Membership No. M/2013), shall, at his own request, stand cancelled from 5th January 1976 to 30th June 1976.

S. N. GHOSE,  
Secy.

## THE FOOD CORPORATION OF INDIA

New Delhi, the 11th December 1975

No. 7-1/74-EP.—In exercise of the powers conferred by Section 45 of the Food Corporation Act, 1964 (37 of 1964) and with the previous sanction of the Central Government, the Food Corporation of India hereby makes the following regulations to amend the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 namely:—

- (1) These Regulations may be called the Food Corporation of India (Staff) (27th Amendment) Regulations, 1975.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st May, 1974.

2. Amendment to Regulation 16(2)(b). In the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 (hereinafter referred to as the principal Regulations) existing Regulation 16(2)(b) as amended per 15th Amendment, shall be substituted by the following:—

"Where promotions to a grade are made from more than one grade, the eligible persons will be arranged in a combined seniority list in the order of their relative seniority in their respective grades. The Selection Committee will then select persons for promotion from this list and arrange the candidates selected in a consolidated order of merit or according to seniority in the lower grade, as the case may be, which will determine the seniority of the persons on promotion to the higher grade."

A. A. FARIDI,  
Joint Manager (Admn.)

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi the 29th January 1976

No. N. 17/13/76 (P&D)-(6).—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the areas specified in the Schedule given below the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 31st January, 1976 as indicated in the table given below:—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A	31-1-1976	31-7-1976	30-10-1976	30-4-1977
B	31-1-1976	27-3-1976	30-10-1976	25-12-1976
C	31-1-1976	29-5-1976	30-10-1976	26-2-1977

## SCHEDULE :

"The area comprising of the revenue villages of Koreya Part-I & II, Bhoral Kunda Koreya Pahar, P. O. Jogighepa, District Goalpara in the State of Assam."

FAQIRCHAND,  
Director (Planning & Development)

New Delhi, the 11th February 1976

No. 1(1)-2/72-Estt.I.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 97, read with clause (xxi) of sub-section (2) and sub-section (2A) of that section and sub-section (2) of section 17 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948), the Employees' State Insurance

Corporation hereby makes, with the approval of the Central Government, the following regulations further to amend the Employees' State Insurance Corporation (Recruitment) Regulations, 1965, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Employees' State Insurance Corporation (Recruitment) Amendment Regulations, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule I to the Employees' State Insurance Corporation (Recruitment) Regulations, 1965, against serial number 4,—

(a) in column 4, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Rs. 1200—50—1600"

(b) in column 10, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"By promotion failing which by transfer on deputation."

(c) in column 1, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

#### Promotion

- (i) Deputy Administrative Officer;
- (ii) Regional Director Grade IV/Deputy Regional Director/Assistant Insurance Commissioner;
- (iii) Accounts Officers;
- (iv) Assistant Actuary with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.

#### Transfer on deputation :

Suitable officers belonging to Central Services Class I/ State Services in the time scale of Rs. 700—1300 or equivalent with 5 years' service in the grade, (period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)."

T. N. LAKSHMI NARAYANAN  
Director General

#### GUJARAT REGIONAL OFFICE

Ahmedabad-9, the 29th January 1976

No. G/ADM/238 (Consti)/76.—It is hereby notified that the Local Committee, for Dhrangadhra area constituted vide this office Notification No. G/CB-1/238/70 dated 23-12-1971 under Regulation 10-A of Employees' State Insurance (General), Regulations, 1950 has been re-constituted with effect from 29-1-1976 with the following members :

#### Chairman

1. Dy. Collector, Dhrangadhra

#### Representative nominated by the Government of Gujarat

2. Government Labour Officer, Surendranagar

#### Representative nominated by the Director of Medical Services, ESI Scheme, Ahmedabad

3. Insurance Medical Officer, ESI Scheme, Dhrangadhra

#### Employers' Representatives

4. Shri Mukundrai T. Bhatt  
Welfare Officer,  
Dhrangadhra Chemical Works Ltd.  
Dhrangadhra : 363315

5. Shri Krishna Morarilal Gajanand  
C/o M/s. Musaram Shivramdas,  
Old Gin Plot, Bharat Deep,  
Dhrangadhra.

#### Employees' Representatives

6. Shri Govindbhai Ganeshbhai  
Kuda Agar Kamdar Mahamandal  
C/o Kamdar Sangh,  
Dhrangadhra.

7. Shri Bhagvatsingh N. Parmar  
(Chemical Kamdar Mandal)  
Raj Mahal Line,  
Dhrangadhra.

#### Secretary

8. Manager, Local office,  
E.S.I. Corporation,  
Dhrangadhra.

By Order

S. SAHAI  
Regional Director &  
Secretary

#### PANJAB UNIVERSITY (CHANDIGARH)

No. 1-76/G.R.—The Central Government (Ministry of Education and Social Welfare) have accorded approval vide their letter No. F.3-11/75-U.1 dated 8-1-1976 to the following Regulations :

1. Regulations 2.2, 2.6, 2.7, 3 and 4.1 of the Chapter II(A)(vi) 'Boards of Studies' at pages 62-66 of the Calendar, Volume I, 1975, shall read as under :—

2.2. Each Board of Studies shall consist of—

(a) (i) xxx                      xxx                      xxx

(ii) Six members in the case of Sanskrit, Philosophy, Commerce, Public Administration, Mathematics, Physics, Chemistry, Botany, Zoology and Geography Boards;

and shall be elected every alternate year in the manner laid down in the Regulations;

(b) to (c) xxx                      xxx                      xxx

2.6. The Boards of Studies in the following subjects as also the Conveners of these Boards shall be nominated by the Syndicate :—

- I. Arabic
- II. Persian
- III. Urdu
- IV. Bengali
- V. Tamil
- VI. Sindhi
- VII. French
- VIII. German
- IX. Russian
- X. Tibetan
- XI. Music and Dance
- XII. Arts
- XIII. Psychology
- XIV. Sociology
- XV. General Education
- XVI. Ancient Indian History, Culture and Archaeology
- XVII. Courses in Library Science

- XVIII.** *Statistics*
- XIX.** *Anthropology*
- XX.** *Military+Science*
- XXI.** *Physiology*
- XXII.** *Human Anatomy*
- XXIII.** *Bio-Physics*
- XXIV.** *Bio-Chemistry*
- XXV.** *Microbiology*
- XXVI.** *Geology*
- XXVII.** *Pharmacology*
- XXVIII.** *Post-Graduate Studies in Pharmaceutical Sciences*
- XXIX.** *Dairying and Animal Husbandry and Agriculture*
- XXX.** *Chemical Engineering*
- XXXI.** *Civil Engineering*
- XXXII.** *Electrical Engineering*
- XXXIII.** *Mechanical Engineering*
- XXXIV.** *Aeronautical Engineering*
- XXXV.** *Applied Sciences*
- XXXVI.** *Metallurgical+Engineering*
- XXXVII.** *Electronics and Electrical Communication*
- XXXVIII.** *Engineering and Production Engineering*
- XXXIX.** *Post-Graduate Medical Education and Research*
- XL.** *Dental Surgery*
- XLI.** *Home Science*
- XLII.** *Architecture*
- XLIII.** *Physical Education*
- XLIV.** *Pharmacy*
- XLV.** *Nursing*
- XLVI.** *Law*
- XLVII.** *Indian Theatre*
- XLVIII.** *Chinese*
- XLIX.** *Bachelor of Journalism*

2.7. For the Boards XXIX to XLI and XLIV to XLVI the Dean of the Faculty concerned shall be an ex-officio member.

Principal of College affiliated for the Master's degree course in Dairying and Animal Husbandry and Head of the University Department in Chemical Engineering shall be ex-officio members of the Board of Studies concerned.

xxx                      xxx                      xxx

3. The Boards of Studies listed in Regulations 2.2, 2.3 and 2.4 shall be elected by the Faculties as specified below :—

xxx                      xxx                      xxx

Philosophy,—Faculty of Arts.  
History,  
Economics.  
Political Science and Civics,

Public Administration.  
Mathematics.—Faculty of Science and Mathematics.  
Physics,  
Chemistry,  
Botany,  
Zoology.

xxx                      xxx                      xxx

Commerce—Faculty of Commerce.

4.1. For the Boards of Studies listed in Regulation 2.2, only the following shall be eligible to seek election :—

(a) A degree teacher of an affiliated college or University Teaching Department in the subject of the Board of 10 years' standing and in the case of a Ph. D. degree-holder of five years' standing, who teaches the following classes :—

- (i) Pre-Engineering and Pre-Medical.
- (ii) B.A./B.Sc. Parts I, II and III.
- (iii) B. Com. Parts I, II and III.

Note : 1. If such a person teaches also the Pre-University classes for more than half of his time in a week, he shall not be deemed to be a degree teacher.

2. A demonstrator is not a degree teacher for this purpose.

(b) to (c)    xxx                      xxx

2. Regulations 3, 6 and 10 of the Chapter V(A) 'University Teachers' at pages 127-129 of the Calendar, Volume I, 1975, shall read as under :—

3. Save as provided in Regulation 5, the salaries and grades of Teachers in the University shall be fixed by the Senate. Syndicate shall, however, be competent to allow, for meritorious work on recommendation of Vice-Chancellor, accelerated promotion within the grade.

6.1. Save as provided in Regulations 5 and 8 of this Chapter, the Syndicate shall appoint a Selection Committee consisting of 5 to 7 members to recommend persons for appointment as Professors or Readers of whom at least two shall be experts in the subject from out-side the territorial jurisdiction of the University.

This Committee shall interview suitable persons and make recommendations which will be placed before the Syndicate. If the Syndicate does not accept the recommendation of the Selection Committee it may order re-advertisement of the post or take such other action as may be considered necessary.

The Committee, in recommending a person for appointment as Professor or Reader, shall have regard to (i) his capacity for research, (ii) his ability as a teacher, and (iii) generally his eminence in the subject of his profession.

6.2. The quorum shall be—

- (i) Three if the Committee consists of five members;
- (ii) Five if the Committee consists of six or seven members.

6.3. No retired or honorary teacher of the University residing outside its territorial jurisdiction shall be nominated as an outside expert on a Selection Committee.

10. The Senate, with 2/3rd majority, shall have power to terminate the appointment of a University teacher on the ground of incapacity, inefficiency, or serious misconduct involving moral turpitude.

3. Regulation 4 and Sub-clause "(E) Extraordinary Leave" of Regulation 12.1 of the Chapter VI 'Conditions of Service of University Employees' at pages 136 and 143, respectively, of the Calendar, Volume I, 1975, shall read as under :—

4.1. Save as otherwise provided in the Regulations, the fixation of salary, accelerated increments, grant of allowance etc., shall, in the case of employees holding permanent posts rest with—

- (a) Senate—in the case of employees of class A;
- (b) Syndicate—in the case of employees of class B;
- (c) Vice-Chancellor—in the case of Class C.

4.2. The Syndicate shall be competent to grant a "personal pay" equivalent to one increment last drawn by an employee who is held up at the maximum of his pay-scale, after every three years from the date of reaching the maximum of his pay-scale.

(F.) Extraordinary leave of Regulation 12.1

- (i) A member of the staff who has completed at least five years service in this University may be granted extraordinary leave without pay up to six months. He may be granted such leave up to 26 months with permission to take up employment elsewhere. For higher studies this leave may be extended up to two years and up to three years in exceptional cases.

This condition of five years' service may be waived by Senate under special circumstances.

- (ii) to (iv) xxx xxx

4. Regulation 31 of the Chapter II 'Punishment for use of Unfair Means' at page 16 of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

31. The Syndicate shall appoint annually a Standing Committee to consider and decide cases of the alleged misconduct and use of unfair means in connection with examinations.

The committee shall consist of three members and the quorum shall be two.

The committee may for reasons to be recorded, also recommend to the Vice-Chancellor if any action disciplinary or penal is desired to be taken against the supervisory staff or an examiner.

5. The following has been added as Regulation 6 of the Chapter III relating to Admission to Examinations, at page 19 of the Calendar Volume II, 1975. The numbers of the subsequent Regulations will be changed accordingly :—

6. A candidate seeking admission to course/examination, who—

- (i) has been disqualified by this University or any other University/Board in India, shall not be eligible to appear in any University examination during the period of disqualification; and
- (ii) wilfully suppresses/neglects to disclose information pertaining to a previous disqualification incurred by him/her, shall be disqualified for a further period of two to three years commencing from the year in which the previous disqualifications expires and both the disqualifications shall run consecutively.

6. Regulation 9 of the Chapter IV 'Scholarships' at pages 28-29 of the Calendar Volume II, 1975, shall read as under :—

9. University Scholarships shall be tenable as under on the condition that the holder passes all the University examinations up to the final stage :

- (i) On the result of Pre-University examination for one year if the holder joins Pre-Medical or Pre-Engineering or B.A./B.Sc. Part I course.
- (ii) On the result of Pre-Medical or Pre-Engineering or B.A./B.Sc. Part I examinations :
- (a) for three years if the holder joins B.A./B.Sc. (Honours School) course,
- (b) for two years if the holder joins B.A./B.Sc. in the second year class.
- (iii) On the results of B.A. and B.Sc. examinations :
- (a) for 24 months in case the scholar joins a two year course leading to M.A./M.Sc.
- (b) for 12 months in case the scholar joins any one-year course.
- (iv) On the result of B.Sc. (Honours School) examination, if recommended by the Board of Examiners : for 12 months if the holder joins M.Sc. (Honours School) course.

7. Regulation 3.1 of the Chapter VI 'Academical Costumes' at pages 32-35 of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

3.1. Fellows and graduates of the University shall be entitled to wear academical costume as follows :—

xxx xxx xxx xxx

(i) BACHELOR'S DEGREES

xxx xxx xxx xxx

(ii) MASTER'S DEGREES

Gown Hood

1. M.O.L. Black White with saffron lining.

2. to 24 xxx xxx xxx

25. Master Black White with purple lining.  
of Library

Science.

26. Master of Black. White with deep yellow lining.

Science in

Textile

Technology.

(M. Text.)

(iii) DOCTOR'S DEGREES

xxx xxx xxx xxx

8. Regulation 6 for Pre-University examination at pages 44-45 of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

6. The medium of examination shall be as under :—

(a) The question papers shall be set as under :—

- (i) in English in the case of English;
- (ii) in Hindi and Panjabi in the case of Sanskrit;
- (iii) in Urdu in the case of Arabic and Persian
- (iv) in the language concerned in the case of other languages; and
- (v) in English, Hindi and Panjabi in case of other subjects except Mathematics (Humanities & Science groups), Physics Chemistry and Biology in which the questions shall be in English.
- (vi) in English in the case of Practical papers in all subjects.

(b) The candidates shall write their answers—

- (i) in English in the case of English;
- (ii) in the language concerned in the case of Modern Indian and Oriental Languages, except—
- (1) in Sanskrit paper, in which the answers may be written either in Hindi or Panjabi and
- (2) in Persian paper, in which the answer may be written in English or Urdu or Persian; and

(iii) in English, Hindi, Panjabi or Urdu in the case of other subjects.

9. Regulations 2.2, 7.2, 9.2 and 20 for B.A./B.Sc. Examination at pages 58-59, 64, 67-68 and 73, respectively, of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

2.2. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to joint the second year (Part II) class of B.A. or B.Sc. course, as the case may be :—

- (a) B.A. or B.Sc. or B.Com. Part I examination of Panjab University;
- (b) Pre-Medical/Pre-Engineering examination of the Panjab University;
- (c) Intermediate Arts/Science examination of the Panjab University;
- (d) Any other examination recognised by the Syndicate as equivalent to (a), (b), or (c);
- (e) B.A./B.Sc. Part I examination of Kurukshetra University or Panjabi University (Patiala) or Guru Nanak University (Amritsar) or Himachal Pradesh University (Simla) provided that the subjects offered for the B.A./B.Sc. Part I were the same as are available at this University.

Provided that—

- (i) a person joining the B.Sc. course must have obtained not less than 40% marks in the aggregate of the examination in (c), (d) or (e) *as the case may be*;
- (ii) a person joining the B.Sc. course must have passed the examination at (a), (b), (c), (d) or (e), *as the case may be*, in the corresponding subjects except in cases where relaxations have been provided in the regulations;

(iii)  $\begin{array}{ccccc} \text{xxx} & & \text{xxxx} & & \text{xxxx} \\ & & \text{xx} & & \text{xx} \end{array}$

A candidate who passed B.A. Part I examination of another University whose B.A. (Final) examination is recognised as equivalent to B.A. examination of this University, may be allowed to join B.A. Part II class and to appear in a deficient subject, if any, in the supplementary examination of this University and if he fails in it, along with his B.A. Part II examination at the annual examination. If he fails to qualify in the deficient subject, his result of B.A. Part II examination shall be cancelled.

A candidate who passed B.Sc. Part I examination of another University whose B.Sc. (Final) examination is recognised as equivalent to B.Sc. examination of this University, may be allowed to join B.Sc. Part II class. Provided that a candidate who has not passed in the subject of English at the B.Sc. Part I examination, shall be required to qualify in additional subject of English of B.Sc. Part I examination of this University.

7.2. The medium of examination shall be as under :—

(A) The question papers shall be set as under :—

- (i) *in English in the case of English;*
- (ii) *in the language concerned in the case of Modern Indian Language;*
- (iii) *in the cognate Modern Indian Language (Hindi and Panjabi in the case of Sanskrit; Urdu in the case of Arabic and Persian), or English or the Classical Language itself in the case of Classical Language;*
- (iv) *in English, Hindi & Panjabi in the case of the following subjects :—*

*Economics, Sociology, Public Administration, Philosophy, History, Geography, Political Science, Ancient Indian History and Culture, Music (Indian), Tabla, Indian Classical Dance, Art, History of Art, Clay Modelling, Home Science, Psychology, General Education, Military Science and Education.*

- (v) *in English in the case of other subjects and Practical papers.*

(B) The candidates shall write their answers in :—

- (a) For B.A./B.Sc. (Pass Course) :

XXX                      XXX                      XXX

- (b) For B.A./B.Sc. (Honours 'Course) :

XXX                      XXX                      XXX

9.2. A candidate for the B.Sc. examination shall not offer, except in the case of Geology, Geography, Home Science and *Statistics*, any subject unless he offered the corresponding subject, in the Pre-Medical, Pre-Engineering, Intermediate or elective group of the Higher Secondary or Pre-University examination.

Provided that—

- (1) to (7)      XXX            XXX            XXX

- (8) a candidate offering Statistics shall take up Mathematics and if he offers one science subject, he shall be awarded B.Sc. degree.

20. A person who has already passed the B.A. examination under these Regulations may be permitted to appear in all the Honour Papers except *Geography, Home Science and Psychology* either in the same examination or with Part II and Part III examinations held in two consecutive years.

10. Regulation 1.2 for Master of Science in Home Science examination at page 111 of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

1.2. The examination for the degree of M.Sc. (Home Science) shall be held in the following subjects and a candidate shall offer any one of them :—

- (i) Home Science (General)
- (ii) Home Management;
- (iii) Child Development; and
- (iv) Clothing & Textiles.

11. (i) Regulations 6.1 and 6.3 for Certificate in Modern Indian Languages at page 155 of the Calendar, Volume II, 1975, have been amended to read as under :—

6.1. The minimum number of marks required to pass the examination shall be :—

- (a) 33 per cent in each paper and 40 per cent in the aggregate, and  
(b) 33 per cent in Additional Paper.

6.2. A candidate who has obtained 40 per cent of marks in the aggregate and has failed in one paper only obtaining not less than 25 per cent marks in that paper shall be permitted to appear in that paper at the supplementary examination held in October of the same year or the next annual examination only.

On payment of the same fee on each occasion as for the whole examination. If he passes in that paper in either of those examinations, he shall be deemed to have passed the examination.

Provided that the Syndicate may extend this period in the case of a member of the regular armed forces, who is unable, owing to defence exigencies, to avail himself of a chance within this time.

(ii) The following Regulation 6.2 for Certificate in Modern Indian Languages, at page 155 of the Calendar, Volume II, 1975, has been deleted :

6.2. In the Proficiency examination a candidate who has obtained 45 per cent of the aggregate number of marks, but has failed in one paper only obtaining not less than twenty-five marks in that paper shall be permitted to appear in the supplementary examination held in October of the same year or the next annual examination only in that paper on payment of the same fee on each occasion as for the whole examination and if he passes in that paper in either of those examinations shall be deemed to have passed the Proficiency examination.

12. Regulation 6 for Certificate in (i) French, (ii) German and (iii) Russian at page 160 of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

6. The minimum number of marks required to pass the examination shall be—

- (a) 40% in each theory paper;  
(b) 40% in the Oral/Practical separately; and  
(c) 45% in the aggregate.

13. Regulations for the following examinations at pages 182-210 of the Calendar, Volume II, 1975, have been deleted :—

- (i) B.Sc. in Dairy Technology and Dairy Husbandry examination (Old Scheme);
- (ii) B.Sc. in Dairying (Dairy Husbandry and Dairy Technology) examination (Trimester System);
- (iii) M.Sc. Dairying examinations in—
  - (1) Dairy Chemistry.
  - (2) Dairy Economics.
  - (3) Dairy Extension. (Old Scheme).
  - (4) Dairy Husbandry.
  - (5) Dairy Microbiology.
  - (6) Dairy Technology.
- (iv) M.Sc. Dairying (Trimester System).



14. Regulations 1 and 5 for Ph.D degree in the Faculty of Dairying and Animal Husbandry, at pages 211 and 212, respectively, of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

1. A candidate for the degree of Doctor of Philosophy in the Faculty of Dairying, Animal Husbandry & Agriculture should have obtained from the Panjab University the *Master's degree* in the first or second division in the same subject or in an allied subject as specified by the Faculty, or any other examination of another University recognised by the Syndicate as equivalent to the *Master's degree*.

5. The Board of Studies shall consider each application and decide whether, in their opinion—

- (a) the subject proposed for research; and
- (b) the Supervisor recommended;

are suitable and, if so, they may recommend approval of the same. If, however, the Board considers that the subject and/or the Supervisor are not suitable, they may either reject the application or may suggest suitable changes for reasons to be recorded.

*The Boards of Studies shall specify the course/s to be taken up by a candidate who is found deficient in any course/s of M.Sc. level. He shall take up the course/s concerned along with his research programme for Ph.D. degree.*

15. The following has been added as Regulation 2.2 for B.Ed. Examination at page 218 of the Calendar, Volume II, 1975 and the present Regulation 2.2 would become as Regulation 2.3 :—

2.2. A person who has passed B.A. examination and J.B.T. or equivalent Teachers Training Course, with 40% marks and has been actually working as a teacher in a recognised school for at least 3 years shall be eligible to join B.Ed. course.

16. Regulations for the following examinations at pages 237-240 and 247-249, respectively, of the Calendar, Volume II, 1975, have been deleted :—

- (i) B.Com. (Honours) examination
- &
- (ii) M.Com. examination.

17. Regulation 1 for Doctor of Philosophy in the Commerce Faculty at page 256 of the Calendar, Volume II, 1975, has been amended to read as under :—

1.1. Every candidate for the degree of Doctor of Philosophy in the Commerce Faculty shall be required to produce a certificate that he has passed any one of the following examinations of this or any other University recognised for the purpose.

- (i) M.Com.

or

- (ii) M.A. Economics/Mathematics/Statistics/Operations research/Master's degree in Labour and Social Welfare/Social work with specialisation in Labour Relations and Personnel Management, provided the subject of Ph.D. thesis relates to some field in the Commerce Faculty.

or

- (iii) Master's degree in Business Management/Industrial Management/Business Administration;

or

- (iv) Any other examination considered equivalent by syndicate.

1.2. The following categories of candidates shall also be eligible for enrolment :—

- (a) A person who holds a Post-Graduate degree in Agricultural Economics and has successfully completed one year programme for Management in Agriculture of the Indian Institute of Management, Ahmedabad;
- (b) A member of the Institute of Cost and Works Accountants of India who is a graduate and is wholly or substantially engaged in teaching in a college affiliated to this University or a teaching Department of this University and possesses at least three years of teaching experience.

18. Regulation 9 for Bachelor of Science in Engineering (Civil, Mechanical, Electrical, Aeronautical, Metallurgical, Electronics and Electrical Communication and Production (Old) at page 277-279, of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

9. The examination shall be open to a candidate, who—

- (a) (i) xxx                      xxx                      xxx

- (ii) has passed not less than one semester previous to Part I examination of November/December, the Pre-Engineering in English, Mathematics, Physics and Chemistry of the Panjab University, or, subject to the sanction of the Syndicate on the recommendation of the Faculty, any other equivalent examination recognised for the purpose of admission to the Bachelor of Science in Engineering Course of the University, provided that the candidate must have passed the Pre-Engineering or its equivalent examination in the second division securing at least 50 per cent marks in the aggregate of the main subjects, i.e. English (full subject), Mathematics, Physics and Chemistry;

or

has passed from this University, or from any other recognised university, not less than one semester previous to Part I examination of B.Sc. (Engineering) of November/December, the B.Sc. examination with Mathematics, Physics and Chemistry obtaining at least 50 per cent marks excluding the additional subjects, provided that he has passed in English of F.Sc. or Pre-Engineering Standard;

or

has passed from this University or from any other recognised university, not less than one Semester previous to Part I examination of B.Sc. (Engineering) of November/December, the B.A. examination with a subsequent pass in one or more subjects so as to make up the group of Mathematics, Physics and Chemistry obtaining at least 50% marks in the aggregate of these subjects, provided that he has passed in English of F.Sc. or Pre-Engineering standard;

*Provided that in case of students belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes and Backward Classes (excluding economically backward classes) the requirement of 50% marks shall be reduced by 5% provided they have obtained minimum pass marks prescribed by Regulations.*

- (iii) to (iv) xxx                      xxx

19. Regulation 3 for B.Sc. in Engineering examination in Aeronautical, Chemical, Civil, Electrical, Electronics and Electrical Communication, Mechanical, Metallurgical Production Engineering and Production Engineering (Sandwich) (Revised), at page 425 of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

3. The admission to the First semester course in any branch will be open to a candidate who has passed the Pre-Engineering examination of the Panjab University with not less than 50 per cent marks in the aggregate of Physics, Chemistry, Mathematics and English, or B.Sc. Part I of the Panjab University with not less than 55 per cent marks in the aggregate of Physics, Chemistry, Mathematics and at least 40 per cent marks in additional optional English, or the B.Sc. examination of the Panjab University with not less than 50 per cent marks in the aggregate of Physics, Chemistry and Mathematics with English as optional subject. A candidate who has passed an examination equivalent to the above examinations of the Panjab University with English as a compulsory/optional subject of the equivalent examination, will also be eligible for admission under the admission Regulations of the University.

*Provided that in case of students belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes and Backward Classes (excluding economically backward classes) the requirement of 50% marks shall be reduced by 5 per cent provided they have obtained minimum pass marks prescribed by Regulations.*

20. Regulation 11 for M.Sc. in Engineering examination (Old) at page 326, of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

11. The thesis shall be submitted by the candidate at any time during the fourth semester provided that the candidate appears in the fourth semester examination in all the theory papers including those in which he has already qualified. The result of the thesis shall be declared if the candidate passes in all the 12 theory papers. In case the candidate's thesis is rejected or he is unable to complete the thesis in the fourth semester he will be allowed 3 years more at the maximum for submission of thesis or its revision.

Provided further that the extension beyond the above limit but not exceeding two years may be allowed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Principal/Head of the Department.

21. Regulation 7.3 for M.Sc. in Engineering (Chemical Civil, Electrical, Mechanical and Electronics) and Master of Textiles (M.Sc. Text.) examination (Revised) at pages 436-437, of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

7.3. (a) The thesis shall be submitted by the candidate at any time during the fourth semester of the course provided that he has appeared in all the theory papers up to the fourth semester examination. The result of the thesis shall be declared after the candidate passes in all the 12 theory papers. In case the candidate's thesis is rejected, or he is unable to complete the thesis in the fourth semester he will be allowed 3 years more at the maximum for submission of thesis or its revision.

Provided further that the extension beyond the above limit but not exceeding two years may be allowed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Principal/Head of the Department.

(b) The thesis shall be submitted by a whole time teacher or an engineer working in the Department/Industry/Laboratory at any time during the sixth semester of the course provided that he has appeared in all the theory papers up to the sixth semester examination. The result of the thesis shall be declared after the candidate passes in all the 12-theory papers. In case the candidate's thesis is rejected or he is unable to complete thesis in the sixth semester he will be allowed 3 years more at the maximum for submission of thesis or its revision.

Provided further that the extension beyond the above limit but not exceeding two years may be allowed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Principal/Head of the Department.

22. Regulations 1.2, 2.1, 2.2, 3.1, 3.2 and 3.3 for M.B.B.S. examination at pages 335-341 of the Calendar, Volume II, 1975, shall read as under :—

1.2. There shall be three examinations, viz., First, Second and Final

The First examination will be held at the end of 18 months, the Second examination at the end of 36 months and the Final examination at the end of 54 months of admission to the medical college.

After a candidate has passed the Final examination, there shall be a compulsory rotating housemanship as described in Regulation 8.

2.1. A person who shall attain the age of 17 years or more on December 31 of the year of admission and has passed one of the following examinations shall be eligible to join the first year class of the course :—

- (1) Pre-Medical examination of the Panjab University with at least 50% marks in the aggregate of Science subjects and 50% in the subject of English.
- (2) B.Sc. Final examination of the Panjab University with at least 50 per cent marks in the aggregate of Physics, Chemistry, Botany and Zoology, provided he has qualified in English of the Pre-Medical standard.

A candidate may have qualified in one or more of these subjects at an examination subsequent to his passing B.Sc. Final examination.

(3) B.Sc. Final examination of the Panjab University in the First Division with any three subjects out of Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Microbiology, Biophysics, Physiology, Human Anatomy, Biochemistry and Mathematics, Statistics and any of the Social Sciences if the student passed the Pre-Medical examination of the Panjab University with less than 50% marks;

(4) M.Sc. examination of the Panjab University in the First Division in any subject out of physics, Chemistry, Botany and Zoology, if the student passed the Pre-Medical examination of the Panjab University with less than 50% marks;

(5) Any examination of another University/Board, recognised by the Syndicate as equivalent to the Pre-Medical examination of this University with at least 50% marks in the aggregate of Science subjects and 50% in the subject of English, provided that no one will be admitted on the basis of—

- (i) Pre-Medical Certificate obtained as a result of second attempt, after first having passed this examination from this or any other recognised University.
- (ii) Pre-Medical Certificate obtained after appearing in the examination as a private candidate i.e. other than as a regular student or a late college student.
- (iii) Pre-Medical certificate obtained after having passed the Pre-Engineering or equivalent examination, unless marks obtained in Biology if added to the marks obtained in English, Physics and Chemistry at Pre-Engineering examination are at least 50% in the aggregate.

2.2. (a) A person who has passed the First M.B.B.S. examination of the Panjab University shall be eligible to join the Second M.B.B.S. Class. However, a candidate who fails in the First M.B.B.S. in the December examination for the first time may be allowed to attend the next higher class until April next. This concession shall not be given to a candidate who fails in April or a subsequent examination.

(b) A student may be allowed to start training in para-clinical group of subjects after completion of the examinations in pre-clinical subjects but those who fail in any of the subjects must be reverted to the classes of pre-clinical subjects.

3.1. A student who possesses the qualifications laid down in Regulation 2.1. and satisfies the following requirements duly certified by the Principal of a Medical College affiliated to the Panjab University for the M.B.B.S. Course, shall be eligible to appear in the first M.B.B.S. examination :—

- (a) of having good character;
- (b) of having been enrolled in the college for not less than 18 months preceding the examination and having successfully completed the stipulated period under Regulation 1.2.
- (c) of having attended not less than—
  - (i) 70% of the full courses of lectures delivered; and
  - (ii) 80% of the full courses of practicals held separately in Anatomy, Physiology and Biochemistry; and
- (d) of having undergone for not less than 18 months, the following courses and having successfully completed the stipulated period under Regulation 1.2 :
  - (i) Dissection of the entire body;
  - (ii) Histology;
  - (iii) Elements of Human Embryology;
  - (iv) The Principles of General Physiology, including Biophysics and elementary normal Psychology;
  - (v) The Principles of Biochemistry;
  - (vi) Principles of Genetics;
  - (vii) Elements of the methods of clinical examination including the use of the common instruments and the examination of body fluids with demonstrations on both normal and abnormal living subjects;

Note : The demonstration of structure and function in the teaching of Anatomy and Physiology shall be done as far as possible on the living human subject, and should include the information to be obtained from radiology;

(viii) Statistics.

3.2. A student who possesses the qualifications laid down in Regulation 2.2. and satisfies the following requirements duly certified by the Principal of a Medical College affiliated to the Panjab University for the M.B.B.S. Course, shall be eligible to appear in the *Second M.B.B.S. examination* :—

- (a) of having good character;
- (b) of having been enrolled in the college for not less than 18 months preceding the examination; and having successfully completed the stipulated period under Regulation 1.2.
- (c) of having attended not less than—
  - (i) 70% of the full course of lectures delivered; and
  - (ii) 80% of the full course of practicals held, separately in Pharmacology, Pathology, in Microbiology and Forensic Medicine.
- (d) of having studied—
  - (i) Pharmacology including Pharmacotherapeutical and practical Pharmacology and Practical Pharmacy;
  - (ii) Pathology-general and special Pathology and morbid anatomy; clinical and chemical pathology; parasitology. Each student shall be required to have received practical instruction in the conduct of autopsies and to have acted as a post-mortem clerk in at least 10 cases;
  - (iii) Microbiology-Elementary, General bacteriology, clinical bacteriology, immunology and immunization; and
  - (iv) Forensic Medicine. This course shall include instruction in the duties which devolve upon practitioners in their relation to the State and on the generally recognised rules of Medical ethics.

3.3. A student who possesses the qualifications laid down in Regulation 2.3. and satisfies the following requirements duly certified by the Principal of a Medical College affiliated to the Panjab University for the M.B.B.S. Course, shall be eligible to appear in the *Final M.B.B.S. examination* :—

- (a) of having good character;
- (b) of having been enrolled in the college for not less than 18 months preceding the examination and having successfully completed the stipulated period under Regulation 1.2.
- (c) has passed *Second Professional M.B.B.S. examination* not less than 11 months previously;
- (d) of having attended not less than—
  - (i) 70% of the full courses of lectures delivered; and
  - (ii) 80% of the full courses of clinical demonstrations and practicals held, separately in each of the subjects in which he is to be examined and in the major and sub-specialities, i.e. Orthopaedic Surgery, Anaesthesia, Skin and V.D., T.B. Radiology, Psychiatry, etc. etc.; and
- (e) of having been engaged in practical work at a recognised hospital for a period of 2½ years to the satisfaction of the Head of the college after passing the First Professional M.B.B.S. examination; and
- (f) of having undergone the following courses :—

(1) Preventive and Social Medicine (syllabus as approved by the Medical Faculty) :—

Written Paper	.. ..	100 marks.
Viva	.. ..	50 marks.
Practical and Clinical Internal	.. ..	30 marks.
Assessment	.. ..	20 marks.

(2) Medicine including—

- (a) course of systematic instruction in the Principles and practice of medicine including paediatrics;
- (b) a course of instruction in the principles and practice of preventive and social medicine;
- (c) a medical clinical clerkship for a period of nine months, of which six months be spent in the hospital wards and three months in the out patient department.
- (d) a clinical clerkship for not less than three months and should include social paediatrics and neonatology, growth and development, and paediatric Surgery.

3 months clerkship shall be divided as follows :

Paediatric	.. ..	6 weeks
Medicine	.. ..	.. ..
Neonatology	.. ..	2 weeks
Social Paediatrics including growth and development	.. ..	2 weeks
Paediatric Surgery	.. ..	2 weeks

Explanation :—By introducing 3 months clerkship for Paediatrics (which will also include Social Paediatrics, Neonatology, Growth and Development and Paediatric Surgery) there will be no change required in the period of clerkship prescribed for other subjects i.e. Medicine along with sub-specialities, Surgery and its sub-specialities, Ophthalmology and ENT, Obst. & Gynaecology.

- (e) lectures or demonstrations in Clinical Medicine and attendance on general inpatient and outpatient practice during at least two years, which may run concurrently with the surgical practice;

23. The following Regulation 4.6. for M.B.B.S. examination at page 343 of the Calendar, Volume II, 1975, has been deleted :—

4.6. Throughout the whole period of study the attention of the student shall be directed by his teachers to the importance of the preventive aspects of medicine, and of measures for preservation of positive health.

24. Regulations for the Degree of Doctor of Philosophy in the Faculty of Law. have been revised to read as under :—

1. A candidate for the degree of Doctor of Philosophy (Ph.D.) in the Faculty of Law should have obtained, Master's degree in Law (securing ordinarily 50% marks) from the Panjab University or from any other University whose degree is recognised as equivalent to that of the Panjab University.

2. Every candidate shall apply to the Head of Department of Laws for being allowed to seek enrolment for the Degree of Ph.D. This application shall be on the prescribed enrolment form and shall be accompanied by a fee of Rs. 50/-. This fee of Rs. 50/- shall not be refundable except when the candidate is found ineligible for enrolment in which case it shall be refunded after a deduction of 25%.

3. The application on the prescribed form for enrolment shall be considered by the Head of the Department of Laws thrice in a year as under :—

- (a) From July 15 to July 31.
- (b) From November 15 to November 30. and
- (c) From March 15 to March 31.

4. The Head of the University Department of Laws will, in consultation with Professor/s and Readers in the Department, decide whether or not the candidate be enrolled keeping in view the candidates qualifications and the facilities available. However, if a Professor or a Reader of the University Department of Laws is himself a candidate seeking enrolment he shall not be so consulted. The date on which the candidate is allowed to enroll himself shall be intimated by the Head of the Department to the candidate as also to the University.

5. Every candidate shall, on enrolment, pay a fee of Rs. 25 per mensem to the University, provided that—

- (i) A person who holds a Panjab University or a University Grants Commission scholarship shall on being enrolled, be exempted from this fee.
- (ii) Exemption from payment of this fee may be allowed in accordance with the Rules as may be framed by the Syndicate.

6. Within six months of the date of enrolment, the candidate shall apply to the University, through the Head of the University Department of Laws, for registration.

The application for registration will contain—

- (a) a tentative title of thesis and the broad area of work; and
- (b) a tentative design of the research project.

Provided that the candidate may defer the admission of the tentative design of research work, in which case he must submit the same not later than six months from the date of aforesaid application for registration.

7. Before forwarding the application required by Regulation 6 the Head of the Department will, with the help of a Committee of experts in the proposed area of the candidate's work co-opted by him, satisfy himself, after proper scrutiny and test including *viva-voce*, that the candidate has adequate competence for work in his field of study. The said committee shall ordinarily comprise of Professors and Readers working in the Department who are experts in the proposed area of candidate's work. However, if a Professor or a Reader working in the University Department of Laws himself happens to be a candidate, he shall not be a member of the said committee. An outside expert in the proposed area may also be co-opted. The Head of the Department shall also satisfy himself that the subject offered is one which can be pursued with profit.

8. While forwarding the application the Head of the Department shall also recommend a suitable Supervisor to guide the applicant in his research work. He may, if he considers necessary, recommend joint supervisors. The choice of supervisor for guiding research shall ordinarily be restricted to teachers working in the Department of Law, Panjab University unless there are sufficient reasons for appointing any other scholar of eminence, jurist or judge as a supervisor.

9. All applications, under Regulation 6, for registration as well as approval of the titles, etc. shall, after scrutiny by the Registrar's office, be forwarded for consideration of the Board of Studies in Law.

10. The Board of Studies in Law shall consider each application and determine whether, in their opinion :—

- (a) the subject proposed for research; and
- (b) the supervisor/s recommended;

are suitable and, if so, they may recommend the same for approval of the Faculty of Law. If, however, the Board of Studies in Law considers that the subject and/or the Supervisor are not suitable, they may either reject the application or may suggest suitable changes for reasons to be recorded.

11. The subject of the thesis and the supervisor recommended by the Board of Studies in Law shall be considered by the Faculty of Law. The Faculty shall have power to co-opt any other expert for the particular meeting in which this matter is taken up. The Faculty of Law will decide whether or not the applicant be registered. The decision of the Faculty shall be final.

12. Every candidate shall, before submitting his thesis pursue whole-time research work for three years from the date of his enrolment. Provided that the requirement regarding whole-time research shall not apply to a candidate who is teaching Law in any University Law Department Faculty or in a College affiliated to any University. He would, however, pursue the research work for the requisite period of three years.

Provided further that the Faculty may, on the recommendation made by the Head of the Department of Laws in consultation with the Supervisor, grant for reasons to be recorded, exemption for a period not exceeding one year.

13. A candidate supplicating for the Ph.D. Degree should pursue research at

- (i) the Panjab University Department of Laws, or
- (ii) at such other centre or centres where fruitful research work can be done as are approved by the Dean of the Faculty of Law on a recommendation made by the Head of the Department of Laws in consultation with the Supervisor of the candidate.

Provided, however, that every candidate shall pursue research at the Panjab University, Department of Laws for at least 40 weeks. This period of 40 weeks may be staggered over a period of three years. Provided further that at least 12 weeks must be so spent every year. The Dean, in consultation with the Head of the Department, may condone up to a maximum of 6 weeks, the shortage in the requisite period of 40 weeks but this condonation shall be granted for special reasons to be recorded in writing.

14. A candidate may apply to the Faculty of Law through the Head of the Department and Board of Studies in Law for permission to modify the title of the thesis. In such a case he shall not be allowed to submit his thesis before the expiry of six months from the date of approval of the modified title by the Faculty.

15. Every candidate shall submit a six monthly report, in writing, regarding the progress of his research work. The Supervisor may, on scrutiny of the six monthly report, send for the candidate to assess the progress made by him. The Supervisor shall forward his report to the Head of the Department and shall, in consultation with the Head of the Department, take such action on the report as he considers suitable.

16. Every supervisor shall submit a report on the candidate's research work twice a year, viz :—

- (a) Between October 16 and 31,
- (b) Between April 16 and 30.

Reports of supervisor shall in all cases, be submitted through the Head of the Department to the Faculty of Law for information and for action, if any, that the Faculty may consider necessary.

17. In the event of a difference arising between a candidate and the Supervisor, the matter shall, in the first instance, be referred to the Head of the Department. If, however, the Head of the Department is unable to settle it, the matter shall be referred to the Dean of the Faculty. If the Supervisor happens to be the Head of the Department, the matter shall be referred to the Dean of the Faculty directly.

If the matter is referred to the Dean of the Faculty, he will take a decision in consultation with the Head of the Department except when the Head of the Department himself happens to be the Supervisor. The Dean may, if deemed necessary, consult any other expert as well. The decision of the Dean shall be final.

18. If the Supervisor and the Head of the Department do not consider the work of a candidate satisfactory, the matter will be reported to the Faculty of Law. The Faculty of Law shall decide whether the candidate should be allowed to continue his research for the Ph.D degree.

19. A candidate who is unable to complete his thesis within three years of enrolment, may apply through the supervisor and the Head of the Department for grant of extension.

Extension may be granted by the Faculty of Law up to a maximum of two years, i.e., every candidate must submit his thesis on the expiry of a total period of five years from the date of enrolment.

Provided that—

- (1) extension shall not be granted for more than a year at a time;

- (2) every application for grant of extension shall be accompanied by a fee of Rs. 25.

If the thesis is received after the prescribed or extended period, the Dean of the Faculty may condone delay up to three months. In highly exceptional and difficult cases where the candidate could not, for reasons beyond his control, submit the thesis within the prescribed or extended period, the Faculty of Law may recommend to the Vice-Chancellor that the candidate be granted further extension. The Vice-Chancellor may, on the individual merit of each case and on the recommendation of the Faculty, grant extension to the extent he may deem necessary.

20. If a candidate fails to submit his thesis within the period allowed under Regulation 19 his enrolment shall stand cancelled. He may, however, be allowed to enrol himself again with some other subject.

21. If a candidate was doing research work for the Ph.D. Degree of another University under a Supervisor who subsequently joins the Panjab University Department of Laws as a member of the teaching staff, the candidate may be allowed to enrol himself as a candidate for the Ph.D. degree in this University under the same supervisor subject to his fulfilling the requirements of these regulations. Such a candidate can, however, submit his thesis after one year of enrolment in the Panjab University provided that he has put in research work for a minimum period of 3 years since his enrolment in the said other University.

22. On completion of the research work in accordance with these regulations the candidate shall submit four printed or typewritten copies of the thesis along with—

- (a) a fee of Rs. 250/-.
- (b) a certificate, in the prescribed form from the supervisor indicating the period for which the candidate has done research work.
- (c) a certificate from the supervisor that the thesis is worthy of consideration for the award of the Ph.D. degree.
- (d) a brief statement by the candidate indicating the extent to which the research work done by him has, in his view, advanced the study on the subject and constitutes an original contribution.
- (e) a certificate by the candidate that the thesis does not contain in form or in substance, without explicit acknowledgement, any part of the published or unpublished work of some other person.
- (f) an undertaking, in writing, by the candidate that the thesis will not be published by him without the previous permission of the Syndicate.

23. The Thesis submitted by the candidate must be—

- (a) a piece of original research work constituting a contribution to knowledge in the relevant field.
- (b) satisfactory in literary presentation.

24. The candidate may incorporate in his thesis the substance of any work which he may have published on the subject. He shall, however, not submit, as his thesis, any such work for which a degree or Diploma has been awarded by this or any other University. Nor shall he submit any work which was submitted to his or any other University for the award of a degree and which was rejected for the purposes of such award.

25. No conjoint research with the supervisor shall be permitted in regard to the subject matter of the thesis.

26. The thesis shall be referred to two examiners appointed by the Syndicate on the recommendation of the Board of Studies and the Vice-Chancellor.

27. The examiners may recommend that the thesis be accepted for the award of the Ph.D. degree

OR

that the thesis be rejected,

OR

that the thesis be allowed to be resubmitted with appropriate modification or improvements made in the light of the suggestions as the examiner/s may deem fit to make.

28. If a thesis is required to be revised, the candidate shall ordinarily resubmit the revised thesis within one year of the date of supply of comments of the Examiner/s to him by the University. Special extension up to a maximum of one year, may be given by the Dean of the Law Faculty on the recommendation of the Head of the Department.

29. A thesis shall be re-submitted, if so recommended by the examiner/s, only once, and it shall be examined by the examiners who assessed in the original thesis unless both or any of them are unable or unwilling to do so in which case new examiner/s shall be appointed.

30. A candidate who so resubmits his thesis must do so accompanied by half the amount of fee prescribed in Regulation 22.

31. In case there is a difference of opinion between the two examiners in regard to the acceptance of thesis, the Vice-Chancellor may refer the thesis to a third examiner.

Provided that if out of two examiners originally appointed for evaluation of the thesis (a) one recommends its acceptance, the other its rejection and the aforesaid third examiner recommends its revision the revised thesis shall be sent for evaluation to the third examiner; (b) one recommends acceptance, the other its revision and the aforesaid third examiner agrees with the latter, the revised thesis shall be sent for evaluation to the examiner who originally recommended revision.

32. The examiners shall indicate in their report whether; the thesis is fit for publication by the candidate in its original or modified form. In the latter case, they may make definite suggestions for improvement.

OR

the thesis is of such an outstanding merit that the University should undertake its publication at its own cost.

33. Except in the case of a thesis which is rejected, *viva-voce* shall be held in accordance with the rules prescribed in this behalf by the Syndicate, before a final decision is given on the thesis. The examiners may send, if they so desire, along with their reports, questions for use by the Board conducting the *viva-voce* examination. Such a Board shall consist of three examiners one of whom shall be appointed by the Vice-Chancellor and the other two shall be the Head of the University Department of Laws and the Supervisor of the thesis. If two out of three members of the Board are present, the *viva-voce* will be conducted provided that one of them is an external examiner.

34. A candidate whose thesis is rejected shall not be registered again for the Ph.D. degree with the same subject.

35. The reports of the examiners on the thesis as well as of the examiners for the *viva-voce* shall be considered by the Syndicate. The Syndicate may decide—

- (i) Whether the degree of Doctor of Philosophy be awarded

OR

- (ii) whether the thesis be rejected

OR

- (iii) whether the candidate be required to revise the thesis and resubmit it for re-examination.

36. The Registrar shall notify the result in accordance with the decision of the Syndicate.

37. If the Syndicate decides that the degree of Doctor of Philosophy be awarded to a candidate and the degree is, thereafter, awarded to him, the candidate shall not publish the thesis except with the permission of the Syndicate.

38. If the permission to publish is granted by the Syndicate the candidate shall supply to the Registrar three copies of the published thesis (one copy for record in the University

Library and two copies for the Library of the Department of Laws) along with the copies of the reviews, if any, about the published thesis which would be brought to the notice of the Syndicate.

#### *Transitory Regulations*

39. A person already registered for the Ph.D. degree, before these regulations come into force, shall, if he so desires, either continue to be governed by the old regulations or opt for being governed by these regulations. This option should be exercised at any time within six months of the coming into force of the present regulations.

25. Regulations for Diploma in Health and Hospital Administration, shall read as under :—

(To take effect from the admissions of 1975)

1. The duration of the course leading to the Diploma in Health and Hospital Administration shall be one year which shall extend over to two semesters.

2. The minimum qualification for admission to the course shall be :—

Postgraduate Degree or Bachelor's Degree in any discipline with at least 50% marks in the aggregate and with not less than two years administrative/professional experience in hospital/health services.

3.1. Every candidate shall pay his examination fee (Rs. 50/- for each semester) at the time of admission to the course, alongwith other charges, i.e., tuition fee etc.

3.2. The last date for receipt of admission application form and fee with and without late fee of Rs. 5/- shall be fixed by the Syndicate.

4.1. The examination in the first semester shall be open to any student of the Department of Hospital Administration whose name is sent by the Head of the Department and who :—

- (i) possesses good character;
- (ii) has passed not less than one semester previous to first semester examination any of the examinations laid down in Regulation 2; and
- (iii) has been on the rolls of the Department, during one semester preceding the first semester examination and has attended not less than 85 per cent of the lectures, seminars, case discussions, Syndicate sessions, field trips, project work etc. in each paper; a deficiency up to 10 per cent may be condoned by the Head of the department.

4.2. The examination in first semester shall ordinarily be held in the month of December and the second semester in April, or on such dates as may be fixed by the Syndicate.

4.3. The examination in the second semester shall be open to any student of the Department of Hospital Administration whose name is sent by the Head of department and who :—

- (i) has passed the first semester examination for Diploma in Health and Hospital Administration from the Panjab University.
- (ii) has been on the rolls of the Department during the one semester preceding the second semester examination: and
- (iii) has attended not less than 85 per cent of the lectures, seminars, case discussions, Syndicate sessions, field trips, project work, etc. in each paper. However, a deficiency up to 10 per cent may be condoned by the Head of the Department.

4.4. The Head of the Department of Hospital Administration shall forward to the Registrar, at least five weeks before the commencement of the examination in each semester, a list of the students who have satisfied the requirements of the regulations and are qualified to appear in the examination alongwith their admission forms and fees.

5. A student of the Department who, having attended the prescribed number of lectures, seminars, case discussions, Syndicate sessions, field trips, project work etc. does not appear at the examination of the first/second semester or having appeared at the examination has failed may be allowed to appear at the next consecutive examination without attending a fresh course of lectures, seminars etc.

6.1. Every student shall be examined in the subjects according to the syllabus prescribed by the Senate. Each paper will be of 50 marks out of which 10 marks shall be assigned for internal assessment in such manners as may be prescribed by the Board of Control. This would not apply to Internship Report presentation and *viva-voce* (Paper No. III Semester 2). Internal assessment will be made by a committee consisting of all the teachers conducting the course jointly under the overall direction of the Heads of the Departments of Public Administration and Hospital Administration who shall forward the internal assessment marks to the Registrar at least one week before the commencement of examination.

6.2. The Head of the Department of Hospital Administration will preserve the records on the basis of which the internal assessment awards have been prepared for inspection, if needed by the University, up to six months from the date of declaration of the results.

7. A student who is unable to clear the entire examination (both the semesters) in the course of two academic years shall not be allowed to continue his studies any longer or to reappear in the examination as a private candidate thereafter.

8. The medium of instructions and examination shall be English.

9. The minimum number of marks required to pass the examination in each semester shall be :—

- (i) 40 per cent in each written paper and internal assessment separately.
- (ii) 40 percent in the Report Presentation and *viva-voce*.
- (iii) 50 percent in the aggregate of each semester.

10.1. A student who fails in the examination but obtains at least 50 percent marks in a written paper shall be deemed to have passed in that paper, and may be exempted from re-appearing in that paper.

10.2. A student who is granted exemption under Regulation 10.1 may be allowed to continue studies in the second semester and may appear in such paper/s of the first semester in which he has failed, alongwith the papers prescribed for the second semester at the next examination. If he does not pass in the remaining paper or papers of the first semester examination his result of the second semester examination shall be cancelled. However, he may be allowed to appear again as a late college student in the remaining paper or papers of the first semester in December next and repeat the entire examination of the second semester at the next examination, in April.

11. The internal assessment awards of a candidate who fails in the examination shall be carried forward to the next examination.

12. As soon as possible after the termination of the examination, the Registrar shall publish a list of the candidates who have passed.

13. Candidates who pass both the semesters of the examination in first attempt obtaining 70 per cent or more marks of the aggregate of both the parts shall be declared to have passed with Distinction. All other successful candidates shall be classified as "pass".

14. There shall be a Board of Control for the purpose of co-ordination and control :

- (i) The Head department of Public Administration, Ex-officio.
- (ii) The Head, Department of Hospital Administration, P.G.I. Ex-officio.
- (iii) Two members nominated by the Syndicate.
- (iv) Two members nominated by the Academic Committee, P.G.I.

15. *Viva-voce* will be conducted by a Committee consisting of the following :—

- (i) The Head, Department of Public Administration.  
Ex-officio.
- (ii) The Head, Department of Hospital Administration.  
Ex-officio.
- (iii) External examiner appointed by the Board of Control.

16. The functions and powers of the Board of Control shall be the same as in the case of B.Sc. Honours. School course.

26. Regulations for M.Com. Examination (Semester System) have been revised to read as under :—

(To take effect from the admission of 1975).

1. The duration of the course leading to the degree of Master of Commerce (M.Com.) shall be two academic years. Each year shall be divided into two semesters. The examination for the first and the third semesters shall ordinarily be held in the month of December and for the second and the fourth semesters in the month of April/May, or on such dates as may be fixed by the Syndicate.

2.1. Every candidate shall pay his examination fee (Rs. 50 for each semester) at the time of admission to the course, along with other charges, i.e. tuition fees, etc.

2.2. The Head of the Department of Commerce and Business Management shall forward to the Registrar, at least five weeks before the commencement of the examination in each Semester, a list of the students who have satisfied the requirements of regulations and are qualified to appear in the examination.

2.3. The last date for receipt of admission application form and fee with and without late fee of Rs. 5 shall be fixed by the Syndicate.

3. The minimum qualification for admission to the first semester of the course shall be :

- (a) A bachelor's degree in Commerce with *not less than 45% marks in the aggregate*; OR
- (b) B.Com. (Hons.) Degree with *not less than 45% marks in the aggregate*; OR
- (c) A graduate with *Honours in Economics OR Mathematics OR Statistics OR Commerce with not less than 45% marks in the aggregate*; OR
- (d) A graduate with 50% marks in the aggregate having offered either Economics, Mathematics, Statistics or Commerce as a subject in the examination; OR
- (e) An associate of the (i) Institute of Chartered Accountants of India or England or (ii) Institute of Cost and Works Accountants of India or England; OR
- (f) any other qualification recognised by the Syndicate for this purpose.

Provided that a candidate who seeks admission on the basis of qualifications mentioned in (c), (d) and (f) above shall be required to qualify within one year from the date of admission (either with Semester I examination or with Semester II examination) in a special examination in two papers on (i) Commercial and Taxation Laws, and (ii) Accounting and Auditing, in accordance with the syllabus as may be prescribed by the Senate.

Further that the maximum marks shall be 100 in each paper and the pass marks shall be 35% as in B. Com. examination. There shall be no internal assessment in these papers and marks in these papers will not be counted for the Semester examination.

4. Every candidate shall be examined in the subjects as laid down in the syllabus prescribed from time to time.

50% Marks in each paper excluding seminar, project and viva-voce shall be assigned for internal assessment.

Seminar and projects will be 100% internal assessment, viva-voce shall be conducted jointly by the internal and external examiners.

The Head of the Department shall forward these marks on the basis of Periodical tests, written assignment, case discussions, Syndicate sessions, field trips, etc., to the Registrar at least two weeks before the commencement of the examination.

5. The Head of the Department will preserve the records on the basis of which the internal assessment awards have been prepared, for inspection, if needed by the University, up to six months from the date of declaration of the results.

6.1. The First Semester Examination shall be open to a regular student who (i) has been on the rolls of the Department, during one Semester preceding the first semester examination; and (ii) has attended not less than 75% of the lectures, seminars, case discussions, Syndicate Sessions, field trips, project work, etc., in each paper; a deficiency up to 10% may be condoned by the Head of the Department.

6.2. The Second, Third and Fourth Semester examinations shall be open to a regular student who—

- (a) has been on the rolls of the Department during one semester preceding the Second, Third or Fourth semester examination as the case may be;
- (b) has attended not less than 75% of lectures, seminars, case discussions, Syndicate Sessions, field trips, project work, etc., in each paper; a deficiency up to 10% may be condoned by the Head of the Department; and
- (c) has passed the First, Second or Third semester examination, respectively or is covered under 'Reappear' Regulation 9.

7. The medium of instruction and examination shall be English.

8.1. The minimum number of marks to pass the examination in each semester shall be—

- (i) 35% in each paper in the examination separately as well as jointly with internal assessment,
- (ii) 35% in seminar, project and viva-voce,
- (iii) 50% in the aggregate of (i) and (ii) above.

8.2. Grace marks shall be given @ one percent of the total aggregate marks of the University examination in each semester. A candidate may avail of the grace marks either in the aggregate or in one or more papers as may be to his advantage. Grace marks will, however, be given only for passing the examination and not for passing with distinction.

9(a) A candidate who fails in the first or third semester but has secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% of the papers prescribed for that semester shall be permitted to continue his studies in the second and the fourth semester respectively but he will be required to reappear in the next April/May examination in such papers in which he had failed in the December examination simultaneously with the second or the fourth semester examination as the case may be.

If he fails to pass the first or the third semester examination even in the second attempt his result for the second or the fourth semester examination, as the case may be, shall be cancelled and he will be required to leave the course.

(b) A candidate who fails in the second semester but had secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% of the papers prescribed for that semester shall be permitted to continue his studies in the third semester but he will be required to reappear in such papers in which he had failed in the April examination at a special examination to be held in August but not before the expiry of six weeks from the date of declaration of the April examination result. If he fails even at the special examination, he shall be required to leave the course.

(c) A candidate who falls in the fourth semester examination but had secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% papers prescribed for that Semester shall be allowed to re-appear in such papers in which he has failed in the April examination at a special examination to be held in August but not before the expiry of six weeks from the date of the declaration of the result.

EXPLANATION :--Fifty per cent of 5 papers will be taken as 2 and that of 7 papers as 3 for purpose of exemption under this Regulation.



(d) A candidate who fails to clear the fourth semester examination even at the special examination held in August shall be given one more chance. He may appear either in December of the same year or in April examination next year in such papers in which he had failed at the special examination held in August.

A candidate who is unable to clear the fourth semester examination even after availing of the second chance as specified above shall be required to leave the course.

(e) If a candidate is required to reappear in a paper which is 100% internal assessment, he will be given one more opportunity to qualify in that paper without attending a fresh course of lectures. The work assignment may be determined by the Head of the Department.

10. A candidate who fails in the First, Second, Third or Fourth semester and is not covered under the 'Reappear' Regulation 9 may be given one more chance and allowed to appear at the next regular examination without attending a fresh course of lectures but he will have to repeat the entire examination.

If a candidate fails to pass in a semester examination even after the second attempt he will be required to leave the course.

11. A candidate, who having passed the second semester examination, discontinues his studies, may be permitted to join the 3rd semester within two years of his passing the second semester examination.

12. The internal assessment awards of a candidate who fails in the examination and does not rejoin the Department as a regular student shall be carried forward to the next examination.

13. As soon as is possible after the termination of the examination, the Registrar shall publish the result of the examination.

14. Candidates who pass all the four examinations at the first attempt obtaining 70% or more marks of the total aggregate, shall be declared to have passed with Distinction.

27. Regulations for Master of Business Administration have been revised to read as under :—

(To take effect from the admissions of 1975).

1. The duration of the course leading to the degree of Master of Business Administration (M.B.A.) shall be two academic years. Each year shall be divided into two semesters. The examination for the first and the third semesters shall ordinarily be held in the month of December and for the second and the fourth semesters in the month of April/May, or on such dates as may be fixed by the Syndicate.

2.1. Every candidate shall pay his examination fee (Rs. 50 for each semester) at the time of admission to the course, along with other charges, i.e. tuition fees, etc.

2.2. The Head of the Department of Commerce and Business Management shall forward to the Registrar, at least five weeks before the commencement of the examination in each semester, a list of the students who have satisfied the requirements of regulations and are qualified to appear in the examination.

2.3. The last date for receipt of admission application form and fee with and without late fee of Rs. 5 shall be fixed by the Syndicate.

3. The minimum qualification for admission to the first semester of the course shall be—

- (i) A Bachelor's/Postgraduate degree in any discipline with not less than 50% marks in the aggregate either in the Bachelor's or Postgraduate degree, of this University or from any other University which has been recognised by the Syndicate as equivalent thereto;

or

- (ii) Final examination conducted by the (a) Institute of Chartered Accountants of India or England, and (b) Institute of Cost and Works Accountants of India or England;

or

- (iii) AMIE examination with 50% marks or more after having passed the diploma examination with 60% marks or above and have at least 5 years research/teaching or professional experience.

4. Every candidate shall be examined in the subjects as laid down in the syllabus prescribed from time to time.

50% marks in each paper excluding seminar, project and viva-voce shall be assigned for internal assessment.

Seminar and project will be 100% internal assessment. Viva-voce shall be conducted jointly by the internal and external examiners.

The Head of the Department shall forward these marks on the basis of periodical tests, written assignment, case discussions, Syndicate sessions, field trips, etc., to the Registrar at least two weeks before the commencement of the examination.

5. The Head of the Department will preserve the records on the basis of which the internal, assessment awards have been prepared, for inspection, if needed by the University, up to six months from the date of declaration of the results.

6.1. The First Semester examination shall be open to a regular student who—

- (i) has been on the rolls of the Department, during one Semester preceding the first semester examination; and
- (ii) has attended not less than 75% of the lectures, seminars, case discussions, Syndicate Sessions, field trips, project work, etc., in each paper; a deficiency up to 10% may be condoned by the Head of the Department.

6.2. The Second, Third and Fourth Semester examinations shall be open to a regular student who—

- (a) has been on the rolls of the Department during one semester preceding the Second, Third or Fourth semester examination as the case may be;
- (b) has attended not less than 75% of lectures, seminars, case discussions Syndicate Sessions field trips, project work, etc., in each paper; a deficiency up to 10% may be condoned by the Head of the Department; and
- (c) has passed the First, Second or Third semester examination respectively or is covered under 'Reappear' Regulation 9.

7. The medium of instruction and examination shall be English.

8.1. The minimum number of marks to pass the examination in each semester shall be—

- (i) 35% in each paper in the University examination, separately as well as jointly with internal assessment,
- (ii) 35% in seminar, project and viva-voce.
- (iii) 50% in the aggregate of (i) and (ii) above.

8.2. Grace marks shall be given @ one per cent of the total aggregate marks of the University examination in each semester. A candidate may avail of the grace marks either in the aggregate or in one or more papers as may be to his advantage. Grace marks will however be given only for passing the examination and not for passing with distinction.



9. (a) A candidate who fails in the first or third semester but has secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% of the papers prescribed for that semester shall be permitted to continue his studies in the second and the fourth semester respectively but he will be required to reappear in the next April/May examination in such papers in which he had failed in the December examination simultaneously with the second or the fourth semester examination as the case may be.

If he fails to pass the first or the third semester examination even in the second attempt his result for the second or the fourth semester examination, as the case may be, shall be cancelled and he will be required to leave the course.

(b) A candidate who fails in the second semester but had secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% of the papers prescribed for that semester shall be permitted to continue his studies in the third semester but he will be required to reappear in such papers in which he had failed in the April examination at a special examination to be held in August but not before the expiry of six weeks from the date of declaration of the April examination result. If he fails even at the special examination, he shall be required to leave the course.

(c) A candidate who fails in the fourth semester examination but had secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% papers prescribed for that Semester shall be allowed to reappear in such papers in which he has failed in the April examination at a special examination to be held in August but not before the expiry of six weeks from the date of the declaration of the result.

*Explanation : Fifty per cent of 5 papers will be taken as 2 and that of 7 papers as 3 for purpose of exemption under this Regulation.*

(d) A candidate who fails to clear the fourth semester examination even at the special examination held in August shall be given one more chance. He may appear either in December of the same year or April examination next year in such papers in which he had failed at the special examination held in August.

A candidate who is unable to clear the fourth semester examination even after availing of the second chance as specified above shall be required to leave the course.

(e) If a candidate is required to reappear in a paper which is 100% internal assessment, he will be given one more opportunity to qualify in that paper without attending a fresh course of lectures. The work assignment may be determined by the Head of the Department.

10. A candidate who fails in the First, Second, Third or Fourth semester and is not covered under the 'Reappear' Regulation 9 may be given one more chance and allowed to appear at the next regular examination without attending a fresh course of lectures but he will have to repeat the entire examination.

If a candidate fails to pass in a semester examination even after the second attempt he will be required to leave the course.

11. A candidate, who having passed the second semester examination, discontinues his studies, may be permitted to join the 3rd semester within two years of his passing the second semester examination.

12. The internal assessment awards of a candidate who fails in the examination shall be carried forward to the next examination.

A student who fails in the examination may appear at the next consecutive examination as an ex-student.

13. As soon as is possible after the termination of the examination, the Registrar shall publish a list of the candidates who have passed.

14. Candidates who pass all the four examinations at the first attempt, obtaining 70% or more marks of the total aggregate shall be declared to have passed with distinction.

28. Regulations for Diploma in Personnel Management and Labour Welfare Examination, have been revised to read as under :—

(To take effect from the admission of 1975)

1. The duration of the course leading to the Diploma of Personnel Management and Labour Welfare shall be one year. The examination shall be divided into two semesters. The examination in first semester and second semester shall ordinarily be held in the months of December and April/May, respectively, or on such other dates as may be fixed by the Syndicate.

2.1. Every candidate shall pay his examination fee (Rs. 50 for each Semester) at the time of admission to the course, along with other charges, i.e. tuition fee etc.

2.2. The Head of the Department of Commerce and Business Management shall forward to the Registrar, at least five weeks before the commencement of the examination in each Semester, a list of the students alongwith their admission forms and fees who have satisfied the requirements of regulations and are qualified to appear in the examination.

2.3. The last date for receipt of admission application form and fee with and without late fee of Rs. 5 shall be fixed by the Syndicate.

3. The minimum qualification for admission to First Semester of the course shall be —

(a) A Bachelor's /Postgraduate degree in any discipline with not less than 45% marks in the aggregate either in the Bachelor's or Postgraduate degree of this University or from any other University which has been recognised by the Syndicate as equivalent thereto; and

(b) Two years' work experience as an executive in the area of Personnel Management/Industrial Relations.

4. Every candidate shall be examined in the subjects as laid down in the syllabus prescribed from time to time :

50% marks in each paper excluding seminar, project and viva-voce shall be assigned for internal assessment.

Seminar and projects will be 100% internal assessment, viva-voce shall be conducted jointly by the internal external examiners.

The Head of the Department shall forward these marks on the basis of periodical tests, written assignment, case discussions, Syndicate sessions, field trips etc., to the Registrar at least one week before the commencement of the examination.

5. The Head of the department will preserve the records on the basis of which the internal assessment awards have been prepared for inspection, if needed by the University, up to six months from the date of declaration of the results.

6.1. The first semester examination shall be open to a regular student who —

(i) has been on the rolls of the Department during one semester proceeding the first semester examination; and

(ii) has attended not less than 75 per cent of the lectures, seminars, case discussions, Syndicate sessions, field trips, project work, etc., in each paper; (a deficiency up to 10 per cent may be condoned by the Head of the Department).

6.2. The second semester examination shall be open to a regular student who —

(a) has been on the rolls of the Department during one semester preceding the second semester examination

(b) has attended not less than 75% of lectures, seminars, case discussions, Syndicate sessions, field trips, project work, etc., in each paper; a deficiency up to 10% may be condoned by the Head of the Department: and

(c) has passed the first semester examination or is covered under 'Reappear' Regulation 10.

7. The medium of instruction and examination shall be English.

8.1. The minimum number of marks to pass the examination in each semester shall be —

(i) 35% in each paper in the University examination, separately as well as jointly with internal assessment;

(ii) 35% in seminar, project and viva-voce.

(iii) 50% in the aggregate of each semester.

8.2. Grace marks shall be given @ one per cent of the total aggregate marks of the University examination in each semester. A candidate may avail of the grace marks either in the aggregate or in one or more papers as may be to his advantage. Grace marks will, however, be given only for passing the examination, and not to pass with 'distinction'.

9. (a) A candidate who fails in the first semester but has secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% of the papers prescribed for that semester shall be permitted to continue his studies in the second semester but he will be required to reappear in the next April/May examination in such papers in which he had failed in the December examination, simultaneously with the second semester examination.

If he fails to pass the first semester examination even in the second attempt his result for the second semester examination shall be cancelled and he will be required to leave the course.

(b) A candidate who fails in second semester examination but had secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% papers prescribed for that Semester shall be allowed to reappear in such papers in which he had failed in April Examination or a special examination to be held in August but not before the expiry of six weeks from the date of declaration of the result.

Explanation : Fifty per cent of 5 papers will be taken as 2 and that of 7 papers as 3 for purpose of exemption under this Regulation.

(c) A candidate who fails to clear the second semester examination even at the special examination held in August shall be given one more chance. He may appear either in December of the same year or in April examination next year in such papers in which he had failed at the special examination held in August.

A candidate who is unable to clear the second semester examination even after availing of the second chance as specified above shall be required to leave the course.

10. If a candidate is required to reappear in a paper which is 100% internal assessment he will be given one more opportunity to qualify in that paper without attending a fresh course of lectures. The work assignment may be determined by the Head of the Department.

11. A candidate who failed in the I or II semester examination and is not covered under the 'Reappear' regulations may be given one more chance and allowed to appear at the next regular examination without attending a fresh course of lectures but he will have to repeat the entire examination.

If a candidate fails to pass in a semester examination even after the second attempt he will be required to leave the course.

12. The internal assessment awards of a candidate who fails in the examination shall be carried forward to the next examination.

13. Candidates who pass both the semester of the examination in first attempt obtaining 70 per cent or more marks of the total aggregate of both the semesters shall be declared to have passed with 'Distinction'. All other successful candidates shall be classified as 'Pass'.

14. As soon as possible after the termination of the examination, the Registrar shall publish a list of the candidates who have passed.

29. Regulations for Diploma in Marketing Management Examination, have been revised to read as under :—

(To take effect from the admissions of 1975.)

1. The duration of the course leading to the Diploma of Marketing Management shall be one year. The examination shall be divided into two semesters. The examination in first semester and second Semester shall ordinarily be held in the months of December and April/May respectively or on such other dates as may be fixed by the Syndicate.

2.1. Every candidate shall pay his examination fee (Rs. 50 for each Semester) at the time of admission to the course, along with other charges, i.e., tuition fee etc.

2.2. The Head of the department of Commerce and Business Management shall forward to the Registrar at least five weeks before the commencement of the examination in each semester a list of the students along with their admission forms and fees who have satisfied the requirements of regulations and are qualified to appear in the examination.

2.3. Whenever the application or fee of the candidate is received more than three days after the last date prescribed above, he shall pay an additional fee of Rs. 5, provided that such application shall be entertained only up to three weeks before the commencement of the examination.

3. The minimum qualification for admission to first semester of the course shall be—

(a) A Bachelor's/Postgraduate degree in any discipline with not less than 45% marks in the aggregate either in the Bachelor's or Postgraduate degree of this University or from any other University which has been recognised by the Syndicate as equivalent thereto; and

(b) Two years' work experience as an executive in the area of Marketing.

4. Every candidate shall be examined in the subjects as laid down in the syllabus prescribed from time to time.

50% marks in each paper excluding seminar, project and viva-voce shall be assigned for internal assessment.

Seminar and projects will be 100% internal assessment. Viva-voce shall be conducted jointly by the internal and external examiners.

The Head of the Department shall forward these marks on the basis of periodical tests, written assignment, case discussions, Syndicate sessions, field trips etc., to the Registrar at least one week before the commencement of the examination.

5. The Head of the department will preserve the records on the basis of which the internal assessment awards have been prepared for inspection, if needed by the University, up to six months from the date of declaration of the results.

6.1. The first Semester examination shall be open to a regular student who—

(i) has been on the rolls of the Department during one semester preceding the first semester examination, and

(ii) has attended not less than 75 per cent of the lectures, Seminars, Case discussions, Syndicate sessions, field Trips, project work, etc., in each paper; (a deficiency up to 10 per cent may be condoned by the Head of the Department).

6.2. *The second semester examination shall be open to a regular student who—*

- (a) has been on the rolls of the Department during one semester preceding the second semester examination;
- (b) has attended not less than 75% of lectures, seminars, case discussions, Syndicate sessions, field trips, project work, etc., in each paper; a deficiency upto 10% may be condoned by the Head of the Department; and
- (c) has passed the First Semester examination or is covered under 'Reappear' Regulation 10.

7. The medium of instruction and examination shall be English.

8.1. *The minimum number of marks to pass the examination in each semester shall be—*

- (i) 35% in each paper in the University examination separately as well as jointly with internal assessment.
- (ii) 35% in the seminar, project and viva voce,
- (iii) 50% in the aggregate of (i) and (ii) above.

8.2. *Grace marks shall be given @ one per cent of the total aggregate marks of the University examination in each semester. A candidate may avail of the grace marks either in the aggregate or in one or more papers as may be to his advantage. Grade marks will however be given only for passing the examination, and not to 'pass with distinction'.*

9. A candidate, who fails in one paper, but obtains 50% marks in the aggregate of the semester, shall be declared to have passed.

10. (a) A candidate who fails in the first semester but has secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% of the papers prescribed for that semester shall be permitted to continue his studies in the second semester but he will be required to reappear in the next April/May examination in such papers in which he had failed in the December examination, simultaneously with the second semester examination.

*If he fails to pass the first semester examination even in the second attempt his result for the second semester examination shall be cancelled and he will be required to leave the course.*

(b) A candidate who fails in the second semester examination but has secured at least 35% marks separately as well as jointly with internal assessment in not less than 50% papers prescribed for that Semester shall be allowed to reappear in such papers in which he had failed in April examination at a special examination to be held in August but not before the expiry of six weeks from the date of declaration of the result.

Explanation :—50% of 5 papers will be taken as 2 and that of 7 papers as 3 for purpose of exemption under this regulation.

(c) A candidate who fails to clear the second semester examination even at the special examination held in August shall be given one more chance. He may appear either in December of the same year or in April examination next year in such papers in which he had failed at the special examination held in August.

A candidate who is unable to clear the second semester examination even after availing of the second chance as specified above shall be required to leave the course.

11. If a candidate is required to reappear in a paper which is 100% internal assessment he will be given one more opportunity to qualify in that paper without attending a fresh course of lectures. The work assignment may be determined by the Head of the Department.

12. A candidate who failed in the I or II semester examination and is not covered under the 'Reappear' regulations may be given one more chance and allowed to appear at the next regular examination without attending a fresh course of lectures but he will have to repeat the entire examination.

If a candidate fails to pass in a semester examination even after the second attempt he will be required to leave the course.

13. The internal assessment awards of a candidate who fails in the examination shall be carried forward to the next examination.

14. Candidates who pass both the semesters of the examination in first attempt obtaining 70 per cent or more marks of the total aggregate of both the semesters shall be declared to have passed with 'Distinction'. All other successful candidates shall be classified as 'Pass'.

15. As soon as possible after the termination of the examination, the Registrar shall publish a list of the candidates who have passed.

JANKI DASS  
Deputy Registrar (General)

Chandigarh.

Dated : February 4, 1976.

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University, this day the 4th of February, 1976.

JAGJIT SINGH  
Registrar

